सं बो वि । (एफ डी । 143-86/46369. — चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं । टोपाज ग्रोवरसीज प्राव्लि । १४वी , ४/5, ग्रोबो गिक केंब्र, फरीदाबाद, के श्रमिक थी नजीर मार्फत भारतीय मजदूर संघ, विश्वकर्मा भवन, नीलम बाटा रोड़, फरीदाबाद तथा प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाव लिखत भामले के सम्बन्ध में कोई ग्रोहोगिक विवाद है:

भीर चुंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायित गंध हेतु निर्दिश्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इसलिए, प्रव, ग्रीद्योगिक विवाद ग्रीद्यिनयम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारां प्रदांन की भंदें शक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपांल इसके द्वारा उक्त श्रीपिनयम की धारा 7-क के श्रधीन गठित औद्योगिक श्रीधकरण, हरियाणा, फरीदाबाद, को नीचे विनिद्धित्य मामला जो कि उक्त प्रवन्धकों तथा श्रीमक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है श्रथवा विवाद से सुसंगत या सम्बन्धित मामला है, न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मांस में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं:---

क्या थी नजीर की सेवाओं का समापन न्यांयोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं० श्रो॰वि॰/एप.० बी॰/143-86/46376.—चूंकि हरियाणा के राज्यशत की राय है कि मैं॰ टोगाज श्रोवरसीज श्रा॰ लि॰, 24 वी, 4/5, श्रीखोगिक क्षेत्र, फरीदाबाद, के श्रीमक श्री राजा राम, मार्फत भारतीय मजदूर संघ, विश्वकमा भवन, नीलम बाटा रोड़, फरीदाबाद तथा प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई श्रीखोगिक विवाद है;

ग्रीर चूं कि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हैतु निर्दिष्ट करना बांछनीय समझते हैं;

इसलिए, श्रव, श्रीद्योगिक विवाद श्रधिनियम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा श्रदान की गई गक्तियों का श्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इस हे द्वारा उक्त श्रधिनियम की धारा 7-फ के श्रधीत गठित श्रीद्योगिक श्रधिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद, को नीचे विनिदिष्ट मामला जो कि उक्त श्रवन्धकों तथा श्रमिकों के बीच या तो विवादगस्त मामला है श्रयवा विवाद से मुसंगत या सम्बन्धित मामला हैं न्यायनिर्णय एवं पंचार तीन मास में देने हेतु निदिष्ट करते हैं:---

क्या श्री राजा राम की सेवाग्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं् ग्रो॰ वि॰/एफ॰डी॰/143-86/46383.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं॰ टोपाज ग्रीवरसीज प्रा॰ लि॰, 24 बी, 4/5, ग्रीद्योगिक क्षेत्र, फरीदावाद, के श्रमिक श्री लाल मोहन, मार्फत भारतीय मजदूर संघ, विश्वकर्मा भवन, नीलम बाटा रोड़, फरीदाबाद तथा प्रवन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामलें के सम्बन्ध में कोई ग्रीद्योगिक विवाद है;

भ्रौर चं कि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायिनणैय हेतु निर्दिष्ट करना वाछनीय समझते हैं ;

इसलिये, भ्रव, श्रीद्योगिक विवाद भ्रविनियम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शिक्तयों का प्रयोग करते हुये हरियाण के राज्यपाल इस के द्वारा उक्त श्रीधिनियम की धारा 7-क के श्रीधीन गठित श्रीद्योगिक श्रीद्यक्तरण, हरियाणा, फरीदाबाद, को नीचे विनिर्दिष्ट मामला जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रीमकों के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है अथवा विवाद से मुसंगत या सम्बन्धित मामला है न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं:---

क्या श्री लाल मोहन की सेवाओं का समापन न्यायोचित तया ठीक है? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है?

सं० ग्रो॰वि॰/एफ॰डी॰/143-86/46390.—चू कि हरियाणा के राज्यगाल की राय है कि मैं॰ टोपाज ग्रोबरसीज प्रा॰ लि॰, 24 बी, 4/5, ग्रीद्योगिक क्षेत्र, फरीदाबाद, के श्रमिक श्री पृथी मार्पत भरतीय मजदूर सेंघ, विश्वकर्मा भवन नीलम, बाटा रोड़, फरीदाबाद, तथा प्रबन्धकों के मध्य इस में इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई ग्रीद्योगिक विवाद है ;

भ्रोर चूं कि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना बाछनीय समझते हैं;

इसलिये, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की घारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा उक्त अधिनियम की घारा 7-क के अधीन गठित औद्योगिक अधिक रण, हरियाणा, करीदाबाद, को नोचे विनिर्दिष्ट मामला जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है अथवा विवाद से सुसंगा या सम्बन्धित मामला है न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं ---

क्या श्री पृथी की सेवाम्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीरु है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?